

नेपाली साहित्यिक कृतिको चलचित्राङ्कन परम्परा

त्रिभुवन विश्वविद्यालय, मानविकी तथा सामाजिकशास्त्र सङ्काय
नेपाली केन्द्रीय विभागअन्तर्गत स्नातकोत्तर तह दोस्रो वर्षको दसौं

पत्रको

प्रयोजनका लागि प्रस्तुत

शोधपत्र

शोधकर्ता

भावना पौड्याल

नेपाली केन्द्रीय विभाग

त्रिभुवन विश्वविद्यालय

कीर्तिपुर, काठमाडौं

२०६५

शोधनिर्देशकको मन्तव्य

प्रस्तुत शोधपत्र त्रि.वि. नेपाली केन्द्रीय विभागको दोस्रो वर्षका विद्यार्थी भावना पौड्यालले मेरो निर्देशनमा तयार गर्नु भएको हो । मिहिनेतपूर्वक तयार गरिएको यस शोधपत्रसँग म सन्तुष्ट छु र आवश्यक मूल्याङ्कनका लागि सिफारिस गर्दछु ।

मिति: २०६५/७/२७

.....
प्रा.डा. देवीप्रसाद गौतम
शोधनिर्देशक
नेपाली केन्द्रीय विभाग
त्रिभुवन विश्वविद्यालय,
कीर्तिपुर

त्रिभुवन विश्वविद्यालय

मानविकी तथा सामाजिकशास्त्र सङ्काय

नेपाली केन्द्रीय विभाग कीर्तिपुर

स्वीकृति पत्र

त्रिभुवन विश्वविद्यालय मानविकी तथा सामाजिकशास्त्र सङ्कायअन्तर्गत विश्वविद्यालय क्याम्पसका छात्रा भावना पौड्यालले त्रि.वि. स्नातकोत्तर तहमा नेपाली विषयको दसौँ पत्रको प्रयोजनका लागि प्रस्तुत गर्नुभएको “नेपाली साहित्यिक कृतिको चलचित्राङ्कन परम्परा” शीर्षकको शोधपत्र स्वीकृत गरिएको छ ।

शोध-मूल्याङ्कन समिति

१. विभागीय प्रमुख प्रा. राजेन्द्र सुवेदी

२. शोधनिर्देशक प्रा.डा. देवीप्रसाद गौतम

३. बाह्य परीक्षक ईश्वरचन्द्र ज्ञवाली

मिति: २०६५/७/२७

कृतज्ञता- ज्ञापन

“नेपाली साहित्यिक कृतिको चलचित्राङ्कन परम्परा” शीर्षकको शोधपत्र त्रिभुवन विश्वविद्यालय, मानविकी तथा समाजिकशास्त्र सङ्कायअन्तर्गत विश्वविद्यालय क्याम्पस, कीर्तिपुरको नेपाली केन्द्रीय विभाग, स्नातकोत्तर तह दोस्रो वर्षको आंशिक परिपूर्तिका लागि दसौं पत्रको प्रयोजनार्थ तयार परिएको हो । यस कार्यलाई निर्देशन गर्नु हुने गुरु देवीप्रसाद गौतमप्रति कृतज्ञता ज्ञापन गर्दछु ।

विभागीय प्रमुखका रूपमा तथा व्यक्तिगत रूपमै पनि गुरु राजेन्द्र सुवेदीले गर्नु भएको प्रोत्साहन र सहयोगको म ऋणी छु । क्याम्पस बाहिर रहेर पनि हार्दिक सहयोग र गहन परामर्श प्रदान गर्नुहुने आदरणीय चलचित्रकर्मीहरू यादव खरेल, लक्ष्मीनाथ शर्मा र प्रकाश सायमी तथा शोधकार्यको सुरुवातदेखि नै सहयोग गर्ने चलचित्र विकास बोर्डप्रति हार्दिक आभार व्यक्त गर्दछु ।

विभागभित्रका अन्य गुरुवर तथा मित्रहरू जसले बारम्बार शोधकार्यप्रति चासो देखाउँदै विभिन्न जिज्ञासाहरू राखेर शोधकार्यमा लाग्न मलाई निरन्तर पृष्ठपोषणको कार्य गरिरहनुभयो । वहाँहरूको प्रेरणाको म कदर गर्न चाहन्छु । अध्ययनका लागि समुचित वातावरणको सृजना गरिदिने आमा हेनकुमारी पौड्याल, बुवा शिवलाल पौड्याल, श्रीमान् तोयनाथ न्यौपाने, दाइ विष्णुप्रसाद पौड्याल, दिदी सिर्जना पौड्यालप्रति आभार व्यक्त गर्दछु तथा भाइ शिशिर पौड्याल, देवेन्द्र नेपाल, बहिनी अञ्जना पौड्याल र सामग्री सङ्कलनका क्रममा साथ दिने मित्र अमृता रेग्मी, डिजन भट्टराई, गोविन्द भट्टराईलाई पनि धन्यवाद नदिई रहन सकिदैन ।

अन्त्यमा चलचित्रका क्षेत्रमा अध्ययनार्थ सुअवसर प्रदान गर्ने नेपाली केन्द्रीय विभागसमक्ष प्रस्तुत शोधप्रबन्ध आवश्यक मूल्याङ्कनका लागि समर्पण गर्दछु ।

भावना पौड्याल

विश्वविद्यालय क्याम्पस

नेपाली केन्द्रीय विभाग कीर्तिपुर, काठमाडौं

रोल नं. २२६

मिति: २०६५/७/२७

शैक्षिक सत्र २०६२/०६४

संक्षेपीकृत शब्दावली

| | |
|----------|------------------------|
| क्र.स. | क्रम संख्या |
| चौ.स. | चौथो संस्करण |
| डा. | डाक्टर |
| ताना | तारानाथ |
| ते.स. | तेस्रो संस्करण |
| दो.स. | दोस्रो संस्करण |
| पा.स. | पाँचौ संस्करण |
| प्रा.लि. | प्राइभेट लिमिटेड |
| पृ. | पृष्ठ |
| वि.स. | विक्रम सम्वत |
| स. | सम्पादक |
| त्रि.वि. | त्रिभुवन विश्वविद्यालय |
| रू. | रूपैया |

तालिका सूची

| <u>तालिका</u> | <u>शीर्षक</u> | <u>पेज.नं.</u> |
|---------------|---|----------------|
| तालिका क | विदेशी भूमिमा निर्माण भएका नेपाली चलचित्रहरू | २२ |
| तालिका ख | स्वदेशी विदेशी संयुक्त लगानीमा निर्माण भएका नेपाली चलचित्रहरू | २३ |
| तालिका ग | नेपाली औपन्यासिक कृतिमा बनेका चलचित्र चलचित्रहरू | ७९ |
| तालिका घ | नाट्य विधामा बनेका चलचित्रहरूको सूची | १०३ |
| तालिका ङ | कथा विधामा बनेका चलचित्रहरूको सूची | ११६ |

विषय सूची

| विषय | पेज नं. |
|--|---------|
| परिच्छेद १ : शोधपत्रको परिचय | १-८ |
| १.१ शोधशीर्षक | १ |
| १.२ शोधकार्यको प्रयोजन | १ |
| १.३ विषय परिचय | १ |
| १.४ समस्याकथन | २ |
| १.५ शोधकार्यको उद्देश्यहरू | ३ |
| १.६ पूर्वकार्यको समीक्षा | ३ |
| १.७ शोधकार्यको औचित्य | ५ |
| १.८ शोधकार्यको सीमाङ्कन | ६ |
| १.९ शोधविधि | ७ |
| १.१० शोधपत्रको रूपरेखा | ८ |
| परिच्छेद २ : चलचित्रको सिद्धान्त र विकासक्रमको चर्चा | ९-२५ |
| २.१ चलचित्रको परिचय | ९ |
| २.२ चलचित्रको विकासक्रम | १४ |
| २.२.१ चलचित्रको पृष्ठभूमि | १४ |
| २.२.२ चलचित्रको विकास | १६ |
| २.३ नेपाली चलचित्रको सुरुवात र विकासक्रम | २० |
| परिच्छेद ३ : साहित्यिक कृतिको चलचित्राङ्कन परम्पराको चर्चा | २६-५९ |
| ३.१ साहित्य र चलचित्रको अन्तर्सम्बन्ध | २६ |
| ३.१.१ चलचित्र र नाटक | ३१ |
| ३.१.२ चलचित्र र कविता | ३३ |
| ३.१.३ चलचित्र र आख्यान | ३४ |
| ३.१.४ चलचित्र र निबन्ध | ३५ |
| ३.१.५ चलचित्र र जीवनी | ३६ |

| विषय | पेज नं. |
|---|---------|
| ३.२ साहित्यिक कृतिको चलचित्राङ्कन परम्परा | ३८ |
| ३.३ नेपाली साहित्यिक कृतिको चलचित्रीकरण | ४५ |
| परिच्छेद ४ : विधागत स्वरूपका आधारमा चलचित्र 'वसन्ती'को विश्लेषण | ६०-७९ |
| ४.१ चलचित्र 'वसन्ती'को परिचय | ६० |
| ४.२ चलचित्र विश्लेषणका तत्वका आधारमा 'वसन्ती' चलचित्र | ६१ |
| ४.२.१ कथानक | ६१ |
| ४.२.२ चरित्राङ्कन | ६३ |
| ४.२.३ पटकथा र भाषाशैली | ६६ |
| ४.२.४ जीवनदृष्टि | ६८ |
| ४.२.५ दृश्यविधान | ७० |
| ४.२.५.१ परिवेश | ७० |
| ४.२.५.२ शृङ्गार तथा वेशभूषा | ७१ |
| ४.२.५.३ प्रकाश | ७२ |
| ४.२.६ अभिनय | ७२ |
| ४.२.७ गीत-सङ्गीत | ७३ |
| ४.२.८ द्वन्द्व | ७४ |
| ४.२.९ ध्वनि | ७५ |
| ४.३ 'वसन्ती' चलचित्रको वैशिष्ट्यता | ७५ |
| ४.४ 'वसन्ती' कृति र चलचित्रबीचको अन्तर्सम्बन्ध | ७७ |
| ४.५ नेपाली औपन्यासिक कृतिमा बनेका चलचित्रको सूची | ७९ |
| परिच्छेद ५ : विधागत स्वरूपका आधारमा चलचित्र 'प्रेमपिण्ड'को विश्लेषण | ८०-१०३ |
| ५.१ चलचित्र 'प्रेमपिण्ड'को परिचय | ८० |
| ५.२ चलचित्र विश्लेषणका तत्वका आधारमा 'प्रेमपिण्ड' चलचित्र | ८२ |
| ५.२.१ कथानक | ८२ |
| ५.२.२ चरित्राङ्कन | ८४ |
| ५.२.३ पटकथा तथा भाषाशैली | ८९ |

| | विषय | पेज नं. |
|-------|---|---------|
| ५.२.४ | जीवनदृष्टि | ९१ |
| ५.२.५ | दृश्यविधान | ९२ |
| | ५.२.५.१ परिवेश | ९३ |
| | ५.२.५.२ शृङ्गार तथा वेशभूषा | ९३ |
| | ५.२.५.३ प्रकाश | ९४ |
| ५.२.६ | अभिनय | ९५ |
| ५.२.७ | गीत-सङ्गीत | ९६ |
| ५.२.८ | द्वन्द्व | ९८ |
| ५.२.९ | ध्वनि | ९९ |
| ५.३ | ‘प्रेमपिण्ड’ चलचित्रको वैशिष्ट्यता | १०० |
| ५.४ | ‘प्रेमपिण्ड’ कृति र चलचित्रबीचको अन्तर्सम्बन्ध | १०१ |
| ५.५ | नेपाली नाट्य कृतिमा बनेका चलचित्रको सूची | १०३ |
| | परिच्छेद ६ : विधागत स्वरूपका आधारमा चलचित्र ‘लोभीपापी’को विश्लेषण | १०४-११६ |
| ६.१ | चलचित्र ‘लोभीपापी’को परिचय | १०४ |
| ६.२ | चलचित्र विश्लेषणका तत्वका आधारमा ‘लोभीपापी’ चलचित्र | १०५ |
| | ६.२.१ कथानक | १०५ |
| | ६.२.२ चरित्राङ्कन | १०६ |
| | ६.२.३ पटकथा तथा भाषाशैली | १०८ |
| | ६.२.४ जीवनदृष्टि | १०९ |
| | ६.२.५ दृश्यविधान | १०९ |
| | ६.२.५.१ परिवेश | ११० |
| | ६.२.५.२ शृङ्गार तथा वेशभूषा | ११० |
| | ६.२.५.३ प्रकाश | १११ |
| | ६.२.६ अभिनय | १११ |
| | ६.२.७ गीत-सङ्गीत | ११२ |
| | ६.२.८ द्वन्द्व | ११३ |

| | विषय | पेज नं. |
|-------|--|---------|
| ६.२.९ | ध्वनि | ११४ |
| ६.३ | 'लोभीपापी' चलचित्रको वैशिष्ट्यता | ११४ |
| ६.४ | नेपाली कथा कृतिमा बनेका चलचित्रको सूची | ११६ |
| | परिच्छेद ७ : शोधनिष्कर्ष/उपसंहार | ११७-१२० |
| | सन्दर्भग्रन्थ सूची | १२१-१२४ |